

Format for Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Diploma		Class : BA	Year : II
Subject : History			
1	Course Code	A2-HIST-1G	
2	Course Title	Tourism : Theory and Practices	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Generic Elective	
4	Pre-requisite (if any)	This course can be opted by any student who has passed BA I Year (Certificate Program).	
5	Course Learning outcomes (CLO)	<p>After studying this paper, the students:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Learn about the history of tourism in the ancient, medieval and modern eras. They will get knowledge about the main elements, features and importance of tourism. • They will be able to establish a connection of history with tourism. They will be able to get knowledge about the required infrastructure for tourism and the new trends in the field of tourism. • They will get an insight about the various cultural activities. Present a critical analysis on the impact of tourism on the economy, society and environment along with the problems and challenges of Tourism industry • Will be able to present detailed description about various tourist places of India and Madhya Pradesh. • Get to know clearly about all the aspects related to tourism as a field of profession. 	
6	Credit Value	06	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks: 33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures/Tutorials-Practical (in hours per week) : L-T-P : 3 H/W

Unit	Topics	No. of Lectures
I	History and Concept of Tourism History of Tourism: Main Travellers, Tourism in Ancient age, Tourism in Medieval Age, Tourism in Modern age. Tourism : Concept, Meaning, Definitions, Main Elements and Aims. Nature, Inspiring Elements & Causes of Tourism, Characteristics, Importance, Advantages and Disadvantages of Tourism.	18
II	Application of History in Tourism History as a Tourism Product. Necessity and Development of Basic Infrastructure of Tourism. Information Source and Statistics of Tourism. Types of Tourism, Scope and new trends of Tourism	18

[Signature]
Dr. Jyotsna Agarwal

III	Indigenous Tourism Folk Dances, Fairs, Ceremonies And Festivals with special reference to Madhya Pradesh. Economic, Social and Environmental Impact of Tourism. Problems and Challenges of Tourism Industry.	18
IV	Tourism in Madhya Pradesh Bhimbetka, Sanchi, Khajuraho, Pachmarhi, Vidisha, Bhopal, Orchha, Jabalpur, Gwalior, Chhindwara, Mandu, Kanha, Ujjain, and Amarkantak	18
V	Tourism and Employment Tourist Guide, Guiding skills. Tour operator and Travel Agencies. Prospects of Employment in the field of Guide, Travel Agency. Functions of Travel Agency, Role of Travel Agency in the development of Tourism, Tour Operator and Tour Package.	18
Keywords/Tags : Tourism, History, Tour, Travel, Employment, Guide, Tourist Paces.		
Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings : <ol style="list-style-type: none"> 1. Singh Karan : India Tourism Aspects of a great adventure, Delhi, 1986 2. Acharya Ram : Tourism in India, New Delhi, 1984 3. Seth P.M. : Successful Tourism Planning and Management, New Delhi, 1985 4. Akhatar Javed : Tourism Management in India, New Delhi, 1990 5. Anand M.M. : Tourism and Hotel Industries in India - A Study of Management, New Delhi, 1986 6. Batra K.L. : Problems and Prospects of Tourism, Jaipur, 1990 7. Bhatia A. K. : International Tourism: Fundamental and Practices, New Delhi 1991 8. Bhatia A. K. : Tourism Management and Marketing, New Delhi 1997 9. Bhatia A. K. : Tourism in India-History and Development, New Delhi 1978 10. Burkart, A.J. : The Management of Tourism, London, 1975 11. Chiranjeev, A. : Eco-Tourism-Planning & Development, New Delhi, 2008 12. नेगी, जगमोहन : पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धान्त, दिल्ली, 1992 13. इनू विश्व विद्यालय : पर्यटन में आधारित पाठ्यक्रम टी.एस. 1. टी. एस. 2. टी. एस. 3. टी. एस. 14. हजारी, राजाराम : प्राचीन भारत में तीर्थ, नई दिल्ली, 2003 15. मोतीचन्द्र : सार्थकाह, पटना, 1966 16. नेगी, जगमोहन : पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धान्त, नई दिल्ली, 2007 17. झास, राजेश कुमार : सांस्कृतिक पर्यटन, जयपुर, 2009 18. दीक्षित एवं गुप्ता : पर्यटन के विविध आयाम, नई दिल्ली, 2003 19. वर्मा, अंजली : भारत में पर्यटन विकास और संभावनाएं, नई दिल्ली, 2008 20. श्रीवास्तव बी. के : पर्यटन का इतिहास, विपणन एवं प्रबंधन, नई दिल्ली, 2020 21. श्रीवास्तव बी. के. : पर्यटन में इतिहास के अनुप्रयोग, भोपाल, 2020 22. श्रीवास्तव बी. के. : मध्यप्रदेश में पर्यटन, भोपाल, 2020 23. शर्मा, संजय कुमार : पर्यटन एवं पर्यटन उत्पाद, नई दिल्ली, 1998 		

(Dr. Jyotsna Agarwal)

24. रावत, ताज : पर्यटन का प्रभाव एवं प्रबंधन, नई दिल्ली, 2004
 25. रावत, ताज : पर्यटन विकास के विविध आयाम, नई दिल्ली, 2002

Suggestive Digital Platforms web links :

1. <https://tourismtheoryandpracticesociety.org/>
2. <https://www.emeraldgrouppublishing.com/archived/products/books/series.htm%3Fid%3D2042-1443>
3. <https://www.emerald.com/insight/publication/issn/2042-1443>
4. <https://www.routledge.com/Theories-of-Practice-in-Tourism/James-Ren-Halkier/p/book/9780367589776>
5. https://www.researchgate.net/publication/308032136_Theory_and_Practice_Development_of_Tourism_Research
6. <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0160738320301328>
7. <https://en.wikipedia.org/wiki/Tourism>

Suggested equivalent online courses :

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE) 70 Marks

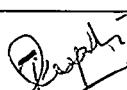
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30	3 Class Test 1 Assignment/Presentation/Quiz Best Three must be considered	30
External Assessment : University Exam Section: 70 Time : 03.00 Hours	Section(A) : Objective type Questions Section (B) : Short Questions Section (C) : Long Questions	Total 70

Any remarks/ suggestions:

(Dr. Jyotsna Agarwal)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम : डिप्लोमा	कक्षा : बी. ए.	वर्ष : II	सत्र : 2022-23
विषय : इतिहास			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-HIST-1G	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पर्यटन : सिद्धान्त एवं व्यवहार	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	सामान्य वैकल्पिक	
4	पूर्वपिक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	बी.ए. प्रथम वर्ष (प्रमाणपत्र कार्यक्रम) उत्तीर्ण कोई भी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को चुन सकता है।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षितयां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	<p>इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी :</p> <ul style="list-style-type: none"> प्राचीन, मध्यकाल और आधुनिक युग के पर्यटन के इतिहास के बारे में सीखेंगे। उन्हें पर्यटन के मुख्य तत्वों, विशेषताओं और महत्व के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा। वे पर्यटन के साथ इतिहास, संबन्ध को स्थापित कर पायेंगे। वे पर्यटन के लिये आवश्यक आधीसंरचना और पर्यटन के क्षेत्र में नवीन प्रवृत्तियों के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे। वे विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। पर्यटन उद्योग की समस्याओं एवं चुनौतियों के साथ-साथ अर्थव्यवस्था, समाज, और पर्यावरण पर पर्यटन के प्रभाव पर एक आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कर पायेंगे। भारत एवं मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों के बारे में विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर पायेंगे। <p>व्यवसाय के क्षेत्र के रूप में पर्यटन से संबंधित सभी पहलुओं के बारे में स्पष्ट रूप से जान पायेंगे।</p>	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 3.3
भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्याता की कुल संख्या-ठूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : 3 घंटे प्रति सप्ताह			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
प्रथम	<p>पर्यटन का इतिहास एवं विशेषतायें</p> <p>पर्यटन का इतिहास : प्रमुख पर्यटक, प्राचीन युग में पर्यटन, मध्यकाल में पर्यटन, आधुनिक युग में पर्यटन। पर्यटन : अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, प्रमुख तत्व एवं उद्देश्य। पर्यटन का स्वरूप, प्रेरक तत्व एवं कारण। पर्यटन की विशेषतायें, महत्व, लाभ एवं हानि।</p>	18	


(Dr. Jyotsna Agarwal)

द्वितीय	पर्यटन में इतिहास का अनुप्रयोग पर्यटन उत्पाद के रूप में इतिहास। पर्यटन की मूलभूत अधोसंरचना की आवश्यकता एवं विकास। सूचना स्रोत एवं पर्यटन सांखिकी। पर्यटन के प्रकार, क्षेत्र एवं नवीन प्रवृत्तियाँ।	18
तृतीय	स्वदेशी पर्यटन लोकनृत्य, मेले, समारोह एवं उत्सव - मध्यप्रदेश के विशेष सन्दर्भ में। पर्यटन के आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव। पर्यटन उद्योग की समस्यायें एवं चुनौतियाँ।	18
चतुर्थ	मध्यप्रदेश में पर्यटन भीम बेटका, साँची, खजुराहो, पचमढ़ी, विदिशा, भोपाल, ओरछा, जबलपुर, गवालियर, छिन्दवाड़ा, माण्डू, कान्हा, उज्जैन और अमरकंटक।	18
पंचम	पर्यटन एवं रोजगार पर्यटक गाइड, मार्गदर्शन कौशल, दूर ऑपरेटर एवं ट्रेवल एजेन्सीज़। गाइड के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाये, ट्रैवल एजेन्सी : ट्रैवल एजेन्सी के कार्य, पर्यटन विकास में ट्रैवल एजेन्सी की भूमिका, दूर ऑपरेटर या यात्रा संचालक और यात्रा पैकेज़।	18

सार बिंदु (की वर्ड)ट्रैग : पर्यटन, इतिहास, दूर, ट्रैवल, रोजगार, गाइड, पर्यटन स्थल।

भाग - स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

1. Singh Karan : India Tourism Aspects of a great adventure, Delhi, 1986
2. Acharya Ram : Tourism in India, New Delhi, 1984
3. Seth P.M. : Successful Tourism Planning and Management, New Delhi, 1985
4. Akhatar Javed : Tourism Management in India, New Delhi, 1990
5. Anand M.M. : Tourism and Hotel Industries in India - A Study of Management, New Delhi, 1986
6. Batra K.L. : Problems and Prospects of Tourism, Jaipur, 1990
7. Bhatia A.K. : International Tourism: Fundamental and Practices, New Delhi 1991
8. Bhatia A.K. : Tourism Management and Marketing, New Delhi 1997
9. Bhatia A.K. : Tourism in India-History and Development, New Delhi 1978
10. Burkart A.J. : The Management of Tourism, London, 1975
11. Chiranjeev, A. : Eco-Tourism-Planning & Development, New Delhi, 2008
12. नेगी, जगमोहन : पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धान्त, दिल्ली, 1992
13. इनौ विश्व विद्यालय : पर्यटन में आधारित पाठ्यक्रम टी.एस. 1. टी. एस. 2. टी. एस. 3. टी. एस.
14. हजारी, राजाराम : प्राचीन भारत में तीर्थ, नई दिल्ली, 2003
15. मोती चन्द्र : सार्थकाह, पटना, 1966
16. नेगी, जगमोहन : पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धान्त, नई दिल्ली, 2007
17. व्यास, राजेश कुमार : सांस्कृतिक पर्यटन, जयपुर, 2009
18. दीक्षित एवं गुप्ता : पर्यटन के विविध आयाम, नई दिल्ली, 2003

(Dr. Jyotsna Agarwal)

19. वर्मा, अंजली : भारत में पर्यटन विकास और संभावनाएं, नई दिल्ली, 2008
20. श्रीवास्तव बी. के. : पर्यटन का इतिहास, विपणन एवं प्रबंधन, नई दिल्ली, 2020
21. श्रीवास्तव बी. के. : पर्यटन में इतिहास के अनुप्रयोग, भोपाल, 2020
22. श्रीवास्तव बी. के. : मध्यप्रदेश में पर्यटन, भोपाल, 2020
23. शर्मा, संजय कुमार : पर्यटन एवं पर्यटन उत्पाद, नई दिल्ली, 1998
24. रावत, ताज : पर्यटन का प्रभाव एवं प्रबंधन, नई दिल्ली, 2004
25. रावत, ताज : पर्यटन विकास के विविध आयाम, नई दिल्ली, 2002
21. श्रीवास्तव बी. के. : पर्यटन में इतिहास के अनुप्रयोग, भोपाल, 2020
22. श्रीवास्तव बी. के. : मध्यप्रदेश में पर्यटन, भोपाल, 2020
23. शर्मा, संजय कुमार : पर्यटन एवं पर्यटन उत्पाद, नई दिल्ली, 1998
24. रावत, ताज : पर्यटन का प्रभाव एवं प्रबंधन, नई दिल्ली, 2004
25. रावत, ताज : पर्यटन विकास के विविध आयाम, नई दिल्ली, 2002

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :

1. <https://tourismtheoryandpracticesociety.org/>
2. <https://www.emeraldgroupublishing.com/archived/products/books/series.htm%3Fid%3D2042-1443>
3. <https://www.emerald.com/insight/publication/issn/2042-1443>
4. <https://www.routledge.com/Theories-of-Practice-in-Tourism/James-Ren-Halkier/p/book/9780367589776>
5. https://www.researchgate.net/publication/308032136_Theory_and_Practice_Development_of_Tourism_Research
6. <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0160738320301328>
7. <https://en.wikipedia.org/wiki/Tourism>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - आकलन एवं मूल्यांकन

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधिसंग्रह:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन:	कक्षा परीक्षण : 03	कुल अंक : 30
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	01 असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)/प्रश्नमंच श्रेष्ठ तीन विचारणीय होंगे।	
बाह्यिक आकलन :	अनुभाग (अ): वर्णन निष्ठु पुस्तक	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा :	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
		कुल अंक 70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

(Dr. Jayotsingh Agarwal)